मन भाये सखी री सिया के सजना लिरिक्स

मन भाये सखी री,
सिया के सजना।bd।

सांवली सूरत मोहनी मूरत,
मोहत मन रतनारे नयना,
मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

सिर पर मौर झालरी शोभे,
जेवर अंग सजायो सजना,
मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

मलय तिलक शुचि सुभग सुहावन,
रुचिर अलक्त रचायो चरना,
मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

अगणित कामदेव छवि राजत,
शोभित आज जनक अंगना,
मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

मैया इनिके सुभग सुहासिन,
खीर खाइ जनमायो ललना,
मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

ब्रह्मेश्वर प्रभु चरन सरन है,
उन बिनु हक पाए है कलना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मन भायें सखी री,
सिया के सजना।bd।

मन भाये सखी री,
सिया के सजना।bd।

गायक – मनोज कुमार खरे।
रचनाकार – ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com